


---

# Sanskrita Shiksha, kya Bekara Hai?

——  
संस्कृत शिक्षा, क्या बेकार है?

——  
Document Information



---

Text title : Sanskrita Shiksha,kya Bekara Hai?

File name : sanskRRitashikShAkyAbekArahai.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



संस्कृत शिक्षा, क्या बेकार है?



संस्कृत को बेकार समझना बेसमझी है सबसे भारी,  
यह तो प्राणों से भी बढ़कर दिव्य जिवनी-शक्ति हमारी ।  
यद्यपि दुर्घ बलुत यह वृद्धा फिर भी नवयुवती माता सी,  
अब भी करती स्तन्यपान से लालन-पालन पुष्टि हमारी । १  
हमें नये शब्दों की भी है जब जब आवश्यकता पड़ती,  
लक्ष-लक्ष शब्दों को देकर यह साहाय्य हमारा करती ।  
जब-जब शब्द विदेशी हमको अपनेपन से दूर लगाते,  
शब्द ऎसी के आकर हममें अपने शुभ संस्कार जगाते । २  
भारतीय सब भाषाओं को यदि हम शीघ्र सीखना चाहें,  
यह साहाय्य हमारा करने स्वयं दौड़ः हैवाती भावें ।  
भारत के इतिहास सभ्यता संस्कृति की जब यर्था आती,  
यही हमें उनके स्वरूप का परिचय भी वास्तव बतलाती । ३  
रूप-रंग भाषा-भूषा के नानाविध भेदों से सारे,  
जब प्रतीत होने लगते हैं छिन्न-भिन्न से प्रान्त हमारे ।  
तब अपनी मधुमय वाणी से यह सबमें बन्धुत्व जगाती,  
यही ओकता के आसन पर सबको है लाकर बिठवाती । ४  
जब गाड़ीव हमारे हाथों से कुछ कभी भिसक जाता है,  
दृष्ट-गगन में जब विषाद का बादल कुछ घिर सा आता है ।  
पांचजन्य लेकर यह पौरुष का पावन सन्देश सुनाती,  
कर्म-योग का पाठ पढःाकर हमें युद्ध में विजय दिलाती । ५  
जब नर को आकुल कर देतीं प्रिय-वियोग की करुण-कथायें,  
और शोक नैराश्य-पराभव-असह्यता की विषम व्यथायें ।  
तब अमोघ मधुमय उपदेशों से यह क्लेश सकल डर लेती,  
शत-शत सूक्ति-सुधा-सिंघन से म्लान दृष्ट्य उर्षित कर देती । ६  
आज जगत में सत्य-अहिंसा की जो दी जाती है शिक्षा,

वल भी ँसडे डी नलषल से डैँ नलली डुठ नानव कु नलषुल ।  
 वलषुन-ननुतल सवुडुडुडु डल नली कु कुषु डुडुल डुरकलश डुडु,  
 उडनलषुडुडु डु डुरकलनलडु डु डुरकुडु डल डुवल वललस डुडु । ७  
 नुडुत अरुडु अधुडलतुन अलडु कु अकु डुडुसरे से डु कुते,  
 डुडुडु डुडुडुडु अडुडुडु डु डु कुते वु डु डुडु डुडु नन कुते ।  
 डुडु डुडु डु डुडु डुडु डुडु डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 अकु डुडुसरे डल डुरकुडु डुडु डुडु डु डुडु डुडु डुडु डुडु । ॢ  
 अरुडु डल डु डुडु असीडु वलषुनल-वश डुडुडुडु डुडुडु डलनव-  
 अलतुनलश डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 डुडु डुडु डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 कुनकु डलरल डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु । ॢ  
 डुडु सतुनलरलडुडु डु डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 शलनुतलडुडु डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु ।  
 सडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 नलतु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु । १०  
 सुवलडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 तललडु अरुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु ।  
 अलश वलनडुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु-  
 अरुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु । ११  
 कुडु डु डु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 अकु-अकु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु ।  
 अरुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु,  
 नडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु । १ॢ

- रडुडुडुडु - डुडु. डुडुडुडु डुडु डुडु डुडु डुडु डुडु

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Shiksha, kya Bekara Hai?

pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

